भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5658

दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

शीत-लहर से संबंधित स्वास्थ्य संबंधी खतरे

†5658. श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलालः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए शीत-लहर से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी खतरों को कम करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकारी अस्पतालों द्वारा शीत-लहर से जुड़ी आपात स्थितियों से निपटने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) शीत-लहर के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या विगत वर्षों की तुलना में वर्ष 2024 में देश में शीत-लहर से संबंधित हताहतों की संख्या में परिवर्तन हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए, शीत लहर-जनित क्षेत्रों में चरम सर्दियों के मौसम से पहले शीत लहर और पाले के संबंध में सार्वजनिक स्वास्थ्य परामर्शिका प्रसारित करता है। इन परामर्शिकाओं का उद्देश्य आम जनता, जिसमें कमजोर समूह भी शामिल हैं, को निवारक उपायों और सुरक्षा दिशा-निर्देशों के बारे में सूचित करना है।

इन प्रभावी क्षेत्रों में राज्य स्वास्थ्य विभाग व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए श्रव्य, दृश्य और प्रिंट मीडिया के माध्यम से इन परामर्शिकाओं के अनुवाद, अद्यतन और वितरण करने के लिए उत्तरदायी हैं।

इन प्रभावी मौसमी तत्परता के लिए, राज्य स्वास्थ्य विभागों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी किए गए राष्ट्रीय कार्य योजना तत्परता दिशा-निर्देशों-शीत लहर और पाले की रोकथाम और प्रबंधन के साथ अपनी कार्यनीतियों को संरेखित करने की सलाह दी जाती है।

शीत लहर से संबंधित मौतों को रोकने के लिए आवश्यक उपायों को लागू करने की प्राथमिक जिम्मेदारी, जिसमें शीत आश्रयों का निर्माण भी शामिल है, संबंधित राज्य सरकारों की है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय शीत लहरों के कारण होने वाली मौतों का डेटा केंद्रीय रूप से नहीं रखता है।

*****